कार्रवाई नवभारत में खबर प्रकाशित होते ही हरकत में आया पंचायत एवं पीएचई विभाग, 3 जून तक जल सप्लाई शुरू करने के निर्देश

वनग्राम खमरिया पहुंचा प्रशासन, ग्रामीणों को मिला पानी

शहपुरा, नवभारत। मेहदवानी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सुखलोदी के वनग्राम खमरिया में भीषण जल संकट को लेकर नवभारत द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित खबर का बड़ा असर देखने को मिला। खबर सामने आने के बाद प्रशासनिक अमला तत्काल सक्रिय हुआ और पंचायत विभाग व लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी गांव पहुंच गए। ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद तत्काल पानी टैंकर उपलब्ध कराया गया, जिससे कई दिनों से पानी की किल्लत झेल रहे ग्रामीणों को राहत मिली।

दरअसल वनग्राम खमरिया में गर्मी बढ़ने के साथ पेयजल संकट गंभीर रूप ले चुका था। गांव के कुएं, बावड़ी और अन्य जल स्रोत पूरी तरह सूख चुके थे। ग्रामीणों, खासकर महिलाओं और बच्चों को रोजाना घाट और पहाड़ी रास्तों से होकर करीब 2 किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ रहा था। ग्रामीणों द्वारा कई बार पंचायत और संबंधित विभागों को शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा था। नवभारत ने ग्रामीणों की इस पीड़ा और पंचायत विभाग की लापरवाही को प्रमुखता से प्रकाशित किया, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया। जनपद पंचायत मेहदवानी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रमोद ओझा एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग शहपुरा के एसडीओ गगन कुम्हरे स्वयं गांव पहुंचे और मौके पर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा तत्काल राहत व्यवस्था सुनिश्चित की।

ग्रामीणों की उपस्थिति में तैयार किया पंचनामा

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ग्राम पंचायत के कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि 3 जून 2026 तक गांव में मोटर पंप स्थापना, पाइप लाइन विस्तारीकरण एवं विद्युतीकरण कार्य पूर्ण कर नियमित पेयजल सप्लाई शुरू की जाए। अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों के बीच पंचनामा तैयार कराया गया और कार्यों की समयसीमा तय कर ग्रामीणों को आश्वस्त किया गया कि जल्द स्थायी समाधान किया जाएगा।

जागा जिम्मेदार अमला

ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से वे जल संकट झेल रहे थे, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही थी। नवभारत में खबर प्रकाशित होने के बाद ही प्रशासन गांव पहुंचा और राहत कार्य शुरू हुए। ग्रामीणों ने मीडिया को धन्यवाद देते हुए कहा कि पत्रकारिता का यही दायित्व है कि जनता की समस्याओं को शासन तक पहुंचाया जाए।

ग्रामीणों ने माना नवभारत का आभार

ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से जल संकट की समस्या बनी हुई थी, लेकिन जिम्मेदार विभाग गंभीरता नहीं दिखा रहे थे। खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों के गांव पहुंचने और तत्काल पानी की व्यवस्था होने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने मीडिया को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी आवाज शासन-प्रशासन तक पहुंचाने में नवभारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गांव में पानी टैंकर पहुंचने के बाद महिलाओं और बच्चों के चेहरों पर राहत दिखाई दी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि तय समय सीमा के भीतर पाइप लाइन और मोटर पंप का कार्य पूरा हो जाता है, तो वर्षों पुरानी पानी की समस्या से स्थायी राहत मिल सकेगी। इस दौरान जनपद पंचायत मेहदवानी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रमोद ओझा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग शहपुरा के एसडीओ गगन कुम्हरे, पंचायत इंस्पेक्टर झारिया, ग्राम पंचायत के सचिव, सरपंच एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सौ का नोट दो, तब जाकर बिकेगी तुम्हारी फसल

उमरिया कृषि उपज मंडी में अन्नदाता की जेब पर खुलेआम डाला जा रहा डाका

नवभारत, उमरिया। जय जवान, जय किसान का नारा देने वाले देश में उमरिया की कृषि उपज मंडी इन दिनों एक नया नारा बुलंद कर रही है, लाओ प्रति क्विंटल सौ टका, तब लगेगा तुम्हारी फसल पर ठप्पा ! कड़ाके की धूप और भीषण गर्मी में खून-पसीना बहाकर जब देश का पेट भरने वाला किसान अपनी चना और मसूर की दलहनी फसल लेकर मंडी पहुंच रहा है, तो वहां उसका स्वागत हमदर्दी से नहीं, बल्कि वसूली की कड़क फरमाइश से हो रहा है।

जहां एक ओर सरकार ढिंढोरा पीटती है कि किसानों से एक धेला भी अतिरिक्त नहीं लिया जाएगा, वहीं दूसरी ओर मंडी में खुलेआम किसानों की जेब में डाका डालने का काम किया जा रहा है आज आलम यह है कि मंडी के मठाधीशों ने अपने अलग ही नियम बना रखे हैं।

खुलेआम चल रहा कमीशन खोरी का खेल

किसानों ने इस खुली लूट की शिकायत खाद्य विभाग के आकाओं से एक, दो या तीन बार नहीं, बल्कि दर्जनों बार की है, लेकिन मजाल है कि साहब लोगों की कुर्सी हिले ! शिकायतें आती हैं, फाइलों में दफन हो जाती हैं, इस चुप्पी से साफ है कि मलाई का बंटवारा ऊपर तक है। जिस किसान की मेहनत के बूते रसोई चलती है, आज उसी की लाचारी पर मंडी में कमीशन खोरी का जश्न मन रहा है।

बिचौलिए काट रहे चांदी

मंडी का नजारा भी बेहद दिलचस्प और शर्मनाक है। जो असली किसान है, वह तपती दुपहरी में अपनी बारी के इंतजार में हांफ रहा है। वहीं दूसरी तरफ, व्यापारियों ने किसान का मुखौटा ओढ़ रखा है और साठगांठ के चलते उनकी फसलें धड़ल्ले से तोली जा रही हैं। ईमानदारी की खेती करने वाला बेबस खड़ा अपनी किस्मत को रो रहा है और बिचौलिए चांदी काट रहे हैं। शिकायतें बताती हैं कि यह सारा खेल जिला खाद्य विभाग के नाक के नीचे चल रहा है। अन्नदाता को चूसकर खरीदी केंद्र प्रभारियों की जो तिजोरियां भर रही हैं, उसका हिस्सा कहां-कहां तक जा रहा है, यह किसी से छिपा नहीं है।

नगर परिषद उपाध्यक्ष ने शुरू की चलित पानी सेवा

भीषण गर्मी में नगरवासियों के लिए राहत

शहपुरा, नवभारत। भीषण गर्मी और बढ़ते जल संकट को देखते हुए नगर परिषद शहपुरा के उपाध्यक्ष मुकेश साहू द्वारा नगरवासियों के लिए एक सराहनीय पहल करते हुए चलित एवं निशुल्क पानी वितरण सेवा का शुभारंभ किया गया है।

इस पहल का उद्देश्य नगर के उन वार्डों तक तत्काल पानी पहुंचाना है, जहां पेयजल की समस्या उत्पन्न हो रही है। नगर परिषद उपाध्यक्ष मुकेश साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर में किसी भी वार्ड या मोहल्ले में पानी की समस्या होने पर नागरिक संपर्क नंबर 8359959599 पर सूचना दे सकते हैं। सूचना प्राप्त होते ही तत्काल चलित पानी वाहन के माध्यम से संबंधित क्षेत्र में निशुल्क पानी उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि भीषण गर्मी के दौरान लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती गर्मी के कारण कई क्षेत्रों में जल संकट की स्थिति बन रही है, जिसे देखते हुए यह सेवा शुरू की गई है।

नगर परिषद का प्रयास है कि किसी भी नागरिक को पेयजल के लिए परेशान न होना पड़े। नगरवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया है। लोगों का कहना है कि गर्मी के इस कठिन समय में इस तरह की व्यवस्था से आम नागरिकों को काफी राहत मिलेगी।

दिन में सन्नाटा, रात में धड़ल्ले से पाताल चीर रहीं अवैध बोरिंग मशीनें

नवभारत, उमरिया। सूरज आग उगल रहा है, कंठ सूख रहे हैं और जिले का भूजल स्तर रसातल की ओर बढ़ रहा है। गांव-गांव में हैंडपंप हांफ चुके हैं और कुएं सिर्फ धूल फांक रहे हैं। बूंद-बूंद पानी के लिए तरसती जनता के बीच हमारी संवेदनशील कलेक्टर ने एक बेहद सख्त और ऐतिहासिक फरमान जारी किया था, बिना अनुमति बोरिंग की, तो खैर नहीं ! सीधे जेल की हवा खाओगे।

आदेश इतना कड़क था कि कागज खुद थर-थर कांप रहा था। एसडीएम, तहसीलदार और पूरा राजस्व अमला इस आदेश को वॉट्सऐप पर शेयर करके अपनी पीठ थपथपाने में व्यस्त हो गया, लेकिन जमीनी हकीकत इस कागजी आदेश का खुलेआम मखौल उड़ा रही है।

नाईट शिफ्ट में चल रहा पाताल लोक का खेल

कलेक्टर का आदेश इतना असरदार साबित हुआ है कि उसने जिले में रोजगार का एक नया समय तय कर दिया है, दिन के उजाले में कानून का पालन करने का नाटक करने वाले बोरवेल ठेकेदार और रसूखदार लोग रात के अंधेरे में जिला प्रशासन की छाती पर मूंग दल रहे हैं। देर रात होते ही भारी-भरकम बोरिंग मशीनें सड़कों पर शान से दौड़ती हैं। जब पूरा जिला सो रहा होता है, तब ये मशीनें कानफाड़ू आवाज के साथ धरती का सीना चीरकर पानी चुराने में लग जाती हैं। सुबह साहब लोगों के दफ्तर खुलने और चाय की चुस्की लेने से पहले तो अवैध खनन का पूरा खेल खत्म हो जाता है। सबूत के तौर पर नौरोजाबाद के बड़ा छादा क्षेत्र से आई ताजा तस्वीरें गवाह हैं कि कैसे प्रशासन की नाक के नीचे रात भर पाताल को खोदा गया।

आदेश केवल कागजों की शोभा बढ़ाने के लिए

यह बेहद हास्यास्पद और चिंताजनक है कि एक तरफ जनता पानी के टैंकरों के पीछे लाठियां चला रही है, वहीं दूसरी तरफ रसूखदार लोग बिना किसी अनुमति के भूजल को सोख रहे हैं। अगर यही हाल रहा, तो आने वाले दिनों में उमरिया रेगिस्तान बनने की राह पर अग्रसर है। कलेक्टर का आदेश जनहित में था, इसमें कोई दो राय नहीं है। लेकिन प्रशासनिक फौज सिर्फ दफ्तरों में बैठकर एसी की हवा खाने और फाइलों पर कार्रवाई की जाए लिखने में माहिर है। जब तक भ्रष्ट और लापरवाह मैदानी अमले को सस्पेंड लिया नहीं किया जाएगा, तब तक ये ठेकेदार आपके आदेशों की धज्जियां इसी तरह उड़ाते रहेंगे।

जिम्मेदार कुंभकर्णी नींद में

अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या उमरिया का प्रशासनिक अमला वाकई इतना मासूम है कि उसे रात भर चलने वाली इन भारी मशीनों की आवाज सुनाई नहीं देती या फिर मामला कुछ और है। जब आधी रात को ट्रैक्टर ट्रॉली निकलने पर पुलिस दौड़ा लेती है, तो इतनी विशालकाय मशीनें किसकी शह पर सड़कों से गुजरकर गांवों में तांडव मचा रही हैं, क्या साहब लोगों की सद्भावना के चलते विभागों ने अपनी आंख, कान और मुंह बंद कर लिए हैं ?

व्यापारियों के साथ धोखा : पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश गुप्ता पर गंभीर आरोप

रिश्तेदारों के नाम पर दुकान आवंटन कर शासन को चपत लगाने का आरोप, जांच की मांग तेज

शहपुरा, नवभारत। नगर परिषद शहपुरा की पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश गुप्ता पर शासकीय दस्तावेजों में कथित फर्जीवाड़ा कर अपने रिश्तेदारों को लाभ पहुंचाने और शासन को लाखों रुपये की आर्थिक क्षति पहुंचाने के गंभीर आरोप लगे हैं। इस संबंध में नगरीय प्रशासन विभाग जबलपुर के संभागीय संचालक को एक लिखित शिकायत सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच एवं एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि नगर परिषद शहपुरा में मानस भवन स्थित दुकान क्रमांक 01 से 33 तक का निर्माण लगभग 90 लाख रुपये की लागत से कराया गया था। इन दुकानों की नीलामी प्रक्रिया से नगर परिषद को करीब 3 करोड़ 50 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई। आरोप है कि तत्कालीन अध्यक्ष द्वारा अपने पद का दुरुपयोग करते हुए दूसरी नीलामी प्रक्रिया में दुकान क्रमांक 34 से 41 तक की दुकानों को अपने करीबी रिश्तेदारों के नाम पर नियम विरुद्ध तरीके से आवंटित कर दिया गया।

बिना नीलामी प्रक्रिया के चहेतों को आवंटित कर दी दुकान

शिकायत में उल्लेख किया गया है कि दुकान क्रमांक 36, 37, 38 और 39 को बिना वैधानिक नीलामी प्रक्रिया अपनाए पूर्व अध्यक्ष की भाभियों गायत्री गुप्ता एवं सरिका गुप्ता के नाम आवंटित किया गया। आरोप है कि इन दुकानों को मात्र 4.50 लाख रुपये प्रति दुकान की दर से आवंटित किया गया, जबकि आसपास की दुकानों की नीलामी 20 से 35 लाख रुपये तक हुई थी। इससे शासन को लगभग 1 करोड़ 20 लाख रुपये की आर्थिक क्षति पहुंचने का दावा किया गया है।

बैठक में लिया गया था आवंटन निरस्ती का निर्णय

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि नगर पंचायत अधिनियम में स्पष्ट प्रावधान होने के बावजूद जनप्रतिनिधि ने अपने रिश्तेदारों को लाभ पहुंचाया, जो नियमों के विपरीत है। मामले में यह भी कहा गया है कि वर्तमान परिषद की बैठक में इन दुकानों के आवंटन को निरस्त करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

दोषियों पर कार्रवाई की उठी मांग

शिकायत में पूर्व अध्यक्ष पर भारतीय न्याय संहिता एवं नगर पंचायत अधिनियम के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए संपूर्ण मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की गई है। मामले के सामने आने के बाद नगर परिषद क्षेत्र में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है और लोगों की नजर अब प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई है।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया स्वच्छता का संदेश

शहपुरा, नवभारत। नगर परिषद शहपुरा की आईईसी टीम द्वारा नगर में नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छता अपनाने, कचरे का उचित प्रबंधन करने तथा सार्वजनिक स्थलों को साफ-सुथरा रखने के लिए प्रेरित करना था। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने स्वच्छता के महत्व को रोचक और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। नाटक में खुले में कचरा फेंकने से होने वाली समस्याओं, गीले और सूखे कचरे के पृथकीकरण, तथा स्वच्छ वातावरण के लाभों को दर्शाया गया।

कलाकारों ने संवाद और गीतों के जरिए लोगों को अपने घरों सहित सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। इस दौरान नगरवासियों ने भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया और स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। नगर परिषद अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छ शहर का निर्माण केवल प्रशासन के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। आईईसी टीम द्वारा भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंच सके और शहपुरा को स्वच्छ एवं सुंदर नगर बनाया जा सके।

कई उत्खनिपट्टा धारकों पर अर्थदण्ड एवं पट्टे निरस्त

खनिज नियमों के उल्लंघन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

डिंडोरी, नवभारत। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशानुसार जिले में स्वीकृत उत्खनिपट्टा खदानों में अनियमितता एवं नियमों के उल्लंघन पर खनिज विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की गई है।

कार्रवाई के तहत मेसर्स अनुराग स्टोन क्रेशर प्रो. संदीप रजक निवासी शहपुरा को ग्राम मनेरी तहसील शहपुरा, उत्तम साहू निवासी बजाग को ग्राम आमाडोंगरी तहसील बजाग तथा शैलेन्द्र कुशवाह निवासी गुना को ग्राम चांदपुर माल तहसील डिण्डौरी में स्वीकृत उत्खनिपट्टों में म.प्र. गौण खनिज नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर संबंधित पट्टेदारों की जमा प्रतिभूति राशि शासन पक्ष में राजसात की गई है। इसी प्रकार सुमित्रा चौकसे निवासी लीलीटोला द्वारा ग्राम खिरसारी में अवैध भण्डारण पाए जाने पर 4 लाख 43 हजार 100 रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया। वहीं पट्टेदार शारदा राय निवासी शहपुरा को ग्राम शक्तिभगदू रैयत तहसील शहपुरा में स्वीकृत उत्खनिपट्टा क्षेत्र में ई-टी.पी. के दुरुपयोग पर 3 लाख रुपये का अर्थदण्ड लगाया गया। साथ ही ग्राम शहपुरा स्थित स्वीकृत भण्डारण में अनियमितता पाए जाने पर उनकी 25 हजार रुपये की प्रतिभूति राशि शासन पक्ष में राजसात की गई। पूर्व में भी मेसर्स परमार कंस्ट्रक्शन द्वारा उत्खनिपट्टा की शर्तों का उल्लंघन किए जाने पर 4 लाख रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया था। इसके अतिरिक्त उत्खनिपट्टा की शर्तों के उल्लंघन पर प्रकाश राय ग्राम अण्डई, आर.एस. मिनरल्स ग्राम कमरासोंढा, प्रमोद साहू ग्राम करौंदा तथा प्रभात अग्रवाल ग्राम धौरई के स्वीकृत उत्खनिपट्टे निरस्त किए गए हैं।

बेमौसम बारिश एक से डेढ़ घंटे तक लगातार हुई बारिश से निचली बस्तियों में भरा पानी, जनजीवन अस्त-व्यस्त

करंजिया में आंधी-तूफान के साथ ओलावृष्टि

करंजिया, नवभारत। स्थानीय मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में शनिवार दोपहर मौसम ने अचानक करवट बदली। तेज कड़कड़ाती धूप के बाद आसमान में अचानक काले बादलों का डेरा जमा हो गया और देखते ही देखते तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। बारिश के साथ ही बड़े-बड़े आकार के ओले गिरे।

लगभग एक से डेढ़ घंटे तक लगातार हुई इस जोरदार बारिश के कारण मुख्यालय की मुख्य सड़कों और निचली बस्तियों में भारी मात्रा में पानी भर गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बारिश इतनी तेज थी कि देखते ही देखते सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं। लोग सिर छुपाने के लिए सुरक्षित ठिकानों की ओर भागते नजर आए। इस बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से जहाँ भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को राहत मिली है तो वही तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है।

शराब दुकान के खिलाफ कार्रवाई की मांग, कलेक्टर से शिकायत

चिल्हारी। उमरिया मानपुर जनपद में शराब बिक्री को लेकर एक बार फिर बड़ा विवाद सामने आया है। जिले के अंतर्गत मानपुर इन्दवार कंपोजिट शराब दुकान द्वारा गांव-गांव अवैध रूप से पैकारी कराए जाने तथा निर्धारित मूल्य से अधिक दामों पर शराब बेचे जाने के आरोपों ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले को लेकर स्थानीय ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र के कई गांवों में खुलेआम शराब की पैकारी करवाई जा रही है, जिससे ग्रामीण वातावरण प्रभावित हो रहा है। आरोप है कि दुकान संचालकों द्वारा नियमों को ताक पर रखकर गांवों में एजेंटों के माध्यम से शराब पहुंचाई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों को मौखिक रूप से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

मामले को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्र के लोगों ने कलेक्टर राखी सहाय को शिकायत पत्र सौंपकर तत्काल जांच एवं कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि यदि समय रहते अवैध पैकारी और ओवररेट बिक्री पर रोक नहीं लगाई गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

ग्रामीणों ने उठाई निष्पक्ष जांच की मांग

ग्रामीणों ने मांग की है कि शराब दुकानों की बिक्री व्यवस्था की निष्पक्ष जांच कराई जाए, गांवों में हो रही पैकारी पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी जांच किए जाने की मांग उठाई गई है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर शिकायत पर क्या कदम उठाता है और अवैध शराब कारोबार पर कितनी प्रभावी कार्रवाई होती है।